⇒ ऊँट -

* ऊंट की संख्या में विश्व में सोमालिया का प्रथम स्थान है।
* ऊंट की संख्या में भारत का विश्व मे 9वां स्थान है।
* भारत में सर्वाधिक राजस्थान (80%) > गुजरात > उत्तरप्रदेश में पाए जाते है।
* राजस्थान में सर्वाधिक ऊंट जैसलमेर में और न्यूनतम ऊंट प्रतापगढ़ में पाए जाते है।
* ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहते है, क्योंकि यह गद्देदार पंजो के कारण रेगिस्तान में आसानी से चल सकता है।
* ऊंट को प्रतिदिन 18-36 लीटर पानी की जरूरत होती है।
* मादा ऊंट को हिन्दी में सांडिनी या ऊंटनी कहते है।
* भारत में सर्वप्रथम ऊंट मोहम्मद बिन कासिम लेकर आया था, इसीलिए भारत मे ऊंट लाने का श्रेय मोहम्मद बिन कासिम को दिया जाता है।
* राजस्थान में सर्वप्रथम ऊंट महमूद गजनवी से पाबूजी लेकर आए थे, इसीलिए राजस्थान में ऊंट लाने का श्रेय पाबूजी महाराज को दिया जाता है।
* पाबूजी को ऊंटो की देवता भी कहा जाता है।
* विश्व ऊंट दिवस - 22 जून।
* राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केन्द्र - जोहड़बीड़ (बीकानेर)
* राजस्थान में ऊंट पालने के लिए रेबारी जाति प्रसिद्ध है।
* राजस्थान में ऊंट की खाल के ऊपर की जाने वाली मिनाकारी को उस्ताकला कहते है।
* उरमूल डेयरी (बीकानेर) भारत की एकमात्र ऊंटनी के दुध की डेयरी।
* ऊंटनी के दुध में भरपुर मात्रा में विटामीन-C पाया जाता है।
* ऊंटनी का दुध दुहने के 2 घण्टे बाद खराब हो जाता है।
* गिरवाण ऊंट के नाक में डालने वाला आभूषण है। (25)

→ ऊंट की प्रमुख नस्लें -

(1) बीकानेरी नस्ल -

* मूल स्थान - बीकानेर।
* गहरे भूरे अथवा काले रंग के होते है।
* सिर थोड़ा गुंबद के आकार का होता है।
* विश्व में ऊंटो की सबसे सुन्दर नस्ल।
* इसका उपयोग बोझा ढोने एव कृषि कार्यो में।
* इसकी जमीन से थुई तक ऊंचाई 10-12 फीट।

(2) जैसलमेरी नस्ल -

* मूल स्थान - थारपारकर केंद्र, जैसलमेर।
* यह हल्के भूरे रंग के होते है।
* शरीर पर पतली त्वचा एवं छोटे बाल।
* यह नस्ल सवारी के लिए प्रसिद्ध है।

(3) मेवाड़ी नस्ल -

* मूल स्थान - राजस्थान का मेवाड़ क्षेत्र।
* दूध उत्पादन क्षमता के लिए जाना जाता है।
* नीचे का होंठ लटका हुआ होता है।
* पहाड़ो पर यात्रा एवं भार ले जाने के लिए अनुकूलित है।

(4) जालोरी या सांचोरी नस्ल -

* मूल स्थान - जालोर एवं सिरोही जिला।
* इस नस्ल का रंग हल्का भूरा होता है।
* बहुउद्देशीय नस्ल - दूध उत्पादन, पर्यटन, सवारी और सफारी के लिए उपयोग।

(5) खराई नस्ल –

* मूल स्थान – कच्छ, गुजरात।
* तैराकी ऊंट के रूप में जाने जाते हैं।
* यह समुद्र में 3किमी. तक तैर सकता है।
* उच्च खारे पानी के प्रति सहिष्णु।

(6) खुच्छी नस्ल –

* मूल स्थान – कच्छ (गुजरात)

RAJASTHAN CLASSES EDU
COPYRIGHT
Helpline : 8107670333

→ ऊंट के रोग –

विषाणु जनित रोग		
क्र.सं.	रोग	रोगजनक
1.	केमल पॉक्स	उष्ट्र मसुरिका
2.	कन्टेजियस एक्थाइमा	औरफ वायरस
3.	रेबीज / हीड़काव	लाहसा वायरस

जीवाणु जनित रोग		
क्र.सं.	रोग	रोगजनक
1.	प्लीहा ज्वर / गिल्टी रोग	बैसीलस एन्थ्रासिस
2.	हिमेरेजिक सेप्टिसीमिया	पास्चुरेला द्वि जीवाणु
3.	कन्टेजियस स्किन नेक्रोसिस	स्ट्रेप्टोकोकाई जीवाणु
4.	ब्लैक क्वार्टर	क्लोस्ट्रीडियम जीवाणु
5.	सालमोनेलोसिस	सालमोनेला जीवाणु
परजीवी जनित रोग		
1.	सर्रा रोग	प्रोटोजोआ (ट्रिपैनोसोमा इवान्सी)